

**HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN BENCH AT  
JAIPUR**

S.B. Criminal Miscellaneous Transfer Petition No. 2 / 2017

1. Ranjeet Singh Son of Shri Ram Chandra Singh by Caste Rajput, Aged About 56 Years, R/o Ward No.5, Pathwari Mohalla, Neem Ka Thana Tehsil Neem Ka Thana District Sikar.

2. Roop Singh Son of Ummed Singh by Caste Rajput, Aged About 36 Years, R/o Ward No.5, Pathwari Mohalla, Neem Ka Thana Tehsil Neem Ka Thana District Sikar.

3. Ashu Singh @ Shyam Singh Son of Ram Singh by Caste Rajput,, Aged About 33 Years, R/o Ward No.5, Pathwari Mohalla, Neem Ka Thana Tehsil Neem Ka Thana District Sikar.

4. Ram Singh Son of Ramchandra Singh by Caste Rajput,, Aged About 58 Years, R/o Ward No.5, Pathwari Mohalla, Neem Ka Thana Tehsil Neem Ka Thana District Sikar.

5. Devendra Singh Son of Shri Ranjeet Singh, by Caste Rajput, Aged About 25 Years, R/o Ward No.5, Pathwari Mohalla, Neem Ka Thana Tehsil Neem Ka Thana District Sikar.

-----Accused-Petitioners

Versus

1. State of Rajasthan Through P.P.

2. Laxman Singh Son of Shri Ram Chandra Singh by Caste Rajput,, Aged About 48 Years, R/o Pathwari Ka Mohalla, Ward No.5, Neem Ka Thana Tehsil Neem Ka Thana District Sikar.

-----Respondents

For Petitioner(s) : Mr. Vikash Kumar Jhakar

For Respondent(s) : Mr. Vidhut Gupta

Public Prosecutor : Ms. Sonia Shandilya

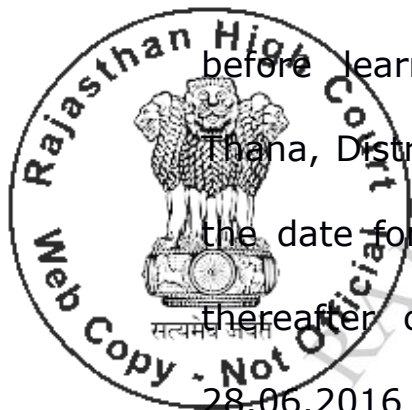
**HON'BLE MR. JUSTICE BANWARI LAL SHARMA**

**Order**

**23/01/2017**

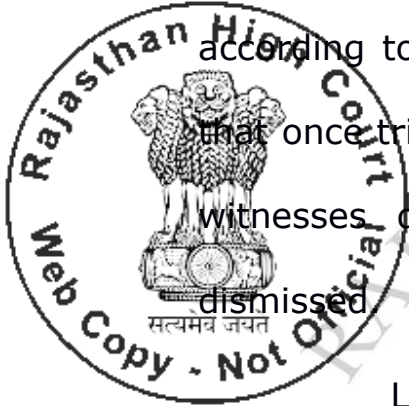
The present criminal misc. transfer petition is preferred by the petitioners against the impugned order dated 09.01.2017 passed by learned Sessions Judge, Sikar for transferring criminal case No. 678/2013 ( State vs. Ranjeet Singh & Ors.) pending before learned Additional Chief Judicial Magistrate Neem Ka Thana, District Sikar on the grounds that initially Trial Court fixed the date for 24.06.2016 which was changed to 25.06.2016 and thereafter continue three dates were given and the date of 28.06.2016 was changed to 29.06.2016. The brother of complainant named Jhabar Singh is working as electrician and is in good relation with Chairman of Nagarpalika, Neem Ka Thana and Chairman of Nagarpalika, Neem Ka Thana is in good relation to P.O. of the Court, therefore, there is reasonable apprehension to petitioners that presiding Officer is favoring the complainant party.

Learned counsel for the petitioners Mr. Vikash Kumar Jhakar submits that initially Trial Court fixed the date for 24.06.2016 which was changed to 25.06.2016 and thereafter continue three dates were given and the date of 28.06.2016 was changed to 29.06.2016. The brother of complainant named Jhabar Singh is working as electrician and is in good relation with Chairman of Nagarpalika, Neem Ka Thana and Chairman of Nagarpalika is in good relation to P.O., therefore, there is



reasonable apprehension to petitioners that presiding Officer is favoring the complainant party.

Per contra learned counsel for complainant Mr. Vidhut Gupta supported the impugned order and submitted that dates were given in presence of petitioners and presiding Officer is fairly conducting trial. He submits that continue three dates are given according to provisions of Cr.P.C. wherein there is clear provision that once trial starts it should be fixed for recording statements of witnesses day by day. He submits that application may be dismissed.



Learned Public Prosecutor Ms. Sonia Shandilya also supported the impugned order.

I have considered the submissions made at Bar.

Learned Court below while deciding the application of petitioners for transfer the case observed that :-

“पत्रावली के अवलोकन से प्रकट होता है कि अप्रार्थी संख्या 1 लक्ष्मण सिंह द्वारा दर्ज करवाई गई प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 370/13 पर संस्थित प्रकरण संख्या 678/2013 अधीनस्थ न्यायालय में मुलजिमान रणजीतसिंह, देवेन्द्रसिंह उर्फ गनी, आशुसिंह उर्फ श्यामसिंह, रामसिंह एवं रूपसिंह के विरुद्ध धारा 216 सीआरपीपी के प्रार्थना पत्र की बहस हेतु लम्बित है। प्रार्थीगण ने अपने प्रार्थना पत्र में यह आरोप लगाया है कि नगरपालिका नीमकाथाना के चेयरमैन त्रिलोक दीवान से पीठासीन अधिकारी के सम्बन्ध है तथा उनके घर आना-जाना है। पीठासीन अधिकारी ने अपनी टिप्पणी में उक्त आरोप को अस्वीकार किया है। प्रार्थीगण की ओर से अपने उक्त आरोप का कोई ठोस आधार नहीं बताया है। ऐसी स्थिति में उनका उक्त आरोप बिना किसी ठोस आधार के होने के कारण स्वीकार किये जाने योग्य नहीं है।

जहां तक प्रकरण में तारीख पेशी 24.06.2016 नियत करने के बाद 25.06.2016 नियत करने तथा तारीख पेशी 28.06.2016 नियत करने के बाद 29.06.2016 नियत करने का प्रश्न है, इस सम्बन्ध में पीठासीन अधिकारी द्वारा अपनी टिप्पणी में कथन किया है कि इस मामले में पहले 24 तारीख दे दी गयी थी, किन्तु प्रकरण संख्या 672/2013 तथा प्रकरण संख्या 373/2014 जिनमें प्रार्थीगण परिवादीगण है, उन पत्रावलियों में तारीख पेशी 25.06.2016 नियत की गयी थी और स्वयं प्रार्थीगण के निवेदन पर ही तारीख पेशी 24.06.2016 को 25.06.2016 किया गया। इसी प्रकार प्रकरण में आगामी तारीख पेशी 25.06.2016 से 28.06.2016 नियत की गयी थी। इसी प्रकार उक्त पत्रावली के साथ अन्य पत्रावली जो कि राज्य बनाम बजरंगसिंह मुकदमा नम्बर 672/2013 तथा राज्य बनाम लक्ष्मणसिंह मुकदमा नम्बर 673/2014 में 29.06.2016 तारीख पेशी नियत की गई थी और स्वयं प्रार्थीगण के अधिवक्ता के निवेदन पर ही प्रकरण संख्या 678/13 में पुनः तारीख पेशी 29.06.2013 नियत की गयी। उक्त दोनों ही तारीखों पर सभी अभियुक्तगण/प्रार्थीगण न्यायालय में उपस्थित थे, अतः उनकी जानकारी में ही तारीख पेशी नियत की गई और चिकित्साधिकारी श्री हरिसिंह गोठवाल के बयान लेखबद्ध किये गये हैं।

जहां तक गवाह संख्या 14 को ही तलब किये जाने का प्रश्न है, माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा यह निर्देशित किया गया था कि प्रार्थीगण/अभियुक्तगण धारा 216 दण्ड प्रक्रिया संहिता का प्रार्थना पत्र चिकित्सीय साक्ष्य के उपरांत पेश कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में चिकित्सा अधिकारी को ही प्राथमिकता के आधार पर तलब किया गया था। अतः प्रार्थीगण द्वारा जो आरोप लगाये गये हैं, वे बिना किसी आधार के हैं, अतः ऐसे आरोपों के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष विचाराधीन प्रकरण को अन्य न्यायालय में स्थानान्तरित किया जाना उचित एवं न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता है।”



This Court in full agreement of the aforesaid observations of the Court below, as such there is no merit in this transfer petition, therefore, same is dismissed.

(BANWARI LAL SHARMA)J.



सत्यमेव जयते